पौयाणिक रिश्तें

प्रयोजन

- प्रथमानुयोग का स्वाध्याय
- साधर्मीयों का एक जगह समागम
- आपसी समझ बढ़ाना

RULES

- इस कार्यक्रम में हम आपसे एक प्रश्न पूछेगे, उस प्रश्न में हमारे पुराण पुरूषों में रिश्ता व नाम बताना है।
- उस प्रश्न के उत्तर में जो रिश्ता आया हो आपका भी वही रिश्तेदार यहाँ उपस्थित होना चाहिये तभी आप पुरस्कार के पात्र होंगे।
- उदाहरणः-

वे कौन थी जिन्होंने अपने पति को दोष न देकर धर्म में स्थिर रहने की बात कही।

उत्तरः- सीता जी ने रामचन्द्र जी से कहा

तो उत्तर देने वाले पति पत्नी साथ आयेंगे व इनाम लेंगे।

उत्तर देने के बाद आपको उस रिश्ते से क्या सीख मिली यह भी बताना होगा।

1

वे कौन थे जिनके पिताजी को केवलज्ञान हुआ और उन्हें स्वयं को चक्र रत्न व पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई?

उत्तर १

आदिनाथ-भरत

(पिता-पुत्र)

2

वे कौन थी जिन्होंने अपनी सखी का साथ गर्भावस्था के समय जंगल में भी नहीं छोड़ा था?

उत्तर २

अंजना–वसंतमाला (सहेली)

3

वे कौन थे जो अपनी ही बहिन पर मोहित हो गये थे और पता चलने पर दीक्षा धारण की?

उत्तर ३

कुलभूषण–देशभूषण (भाई)

4

वे कौन थे जिन्होंने अपनी पुत्री का विवाह एक कोढ़ी व्यक्ति से कर दिया था?

उत्तर ४

मैनासुन्दरी–राजापुहुपाल (पिता–पुत्री)

5

वे कौन थी जिन्होंने अपनी बहु को निर्दोष होने पर भी गर्भावस्था में घर से बाहर निकाल दिया?

उत्तर ५
अंजना-केतुमती
(सास-बहु)

6

वे कौन थी जिन्होंने बाल्यावस्था में ही आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत धारण किया व पिता के बहुत कहने पर भी नहीं छोड़ा?

उत्तर ६

अनंतमती–प्रियदत्त

(पिता–पुत्री)

7

वे कौन थे जिन्होंने धर्म की रक्षा के लिये भाई को बचाकर अपने प्राणों का बलिदान कर दिया?

उत्तर ७
अंकलंक–निकलंक
(भाई)

8

वे कौन थे जिन्होंने मुनिराज पर उपसर्ग किया और उनकी पत्नी के समझाने पर उपसर्ग दूर किया?

उत्तर ८

राजा श्रेणिक-रानी चेलना (पति-पत्नी)

9

वे कौन थी जिन्होंने इस अवसर्पिणी में सर्वप्रथम अंक विद्या व अक्षर विद्या का ज्ञान लिया और जिन्होंने आजीवन विवाह नहीं किया?

उत्तर ६
ब्राह्मी-सुन्दरी
(बहिन)

10

वे कौन थी जिन्होंने अपने पुत्र को बाल्यावस्था की लोरी में ही शुद्धोऽसि बुद्धोऽसि निरंजनोऽसि सिखा दिया था?

उत्तर १०

कुन्दकुन्द देव-शांतला देवी

(बेटा-माँ)

11

वे कौन थे जो तीर्थंकर होंते हुये भी अपने पोते को नहीं समझा सके?

उत्तर ११
भगवान आदिनाथ–मरिचि
(दादा–पोता)

12

वे कौन जुड़वा भाई–बहिन जिनके भाई को पूर्व भव का बैरी बचपन में ही उठा ले गया था व बड़े होकर वे अपनी बहिन पर ही मोहित हो गये थे?

उत्तर १२

भामण्डल–सीता (भाई–बहिन)

13

वे कौन थे जो अपनी पत्नी के पीछे ससुराल जा रहे थे और साले के मज़ाक करने पर दीक्षा ले ली?

उत्तर १३

बज्रबाहु–उदयसुंदर

(जीजा–साला)

14

वे कौन थी जिनको सैनिक हरण करके ले जा रहा था तब शील पर उपसर्ग जानकर माँ के आत्मघात करने पर बेटी ने सम्बोधन किया?

उत्तर १४

चंदनबाला-मृगांगलेखा

(माँ-बेटी)

15

वे कौन थे जो अपने मित्र को दीक्षा लेने के बाद भी पत्नी की याद करने पर १२ वर्ष तक समझाते रहे?

उत्तर १५

वारिषेण–पुष्पडाल (मित्र)